साप्ताहिक

राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761, DAVP 133088/20/02/2020

वर्ष-12, अंक-22
इन्दौर सोमवार 28 अप्रैल
से 4 मई 2025
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

चाणक्य नीति

दूसरों की गलतियों से सीखों, अपने ही अनुभव से सीखने को तुम्हारी आयु कम पड़ जाएगी।

प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

महाकुंभ

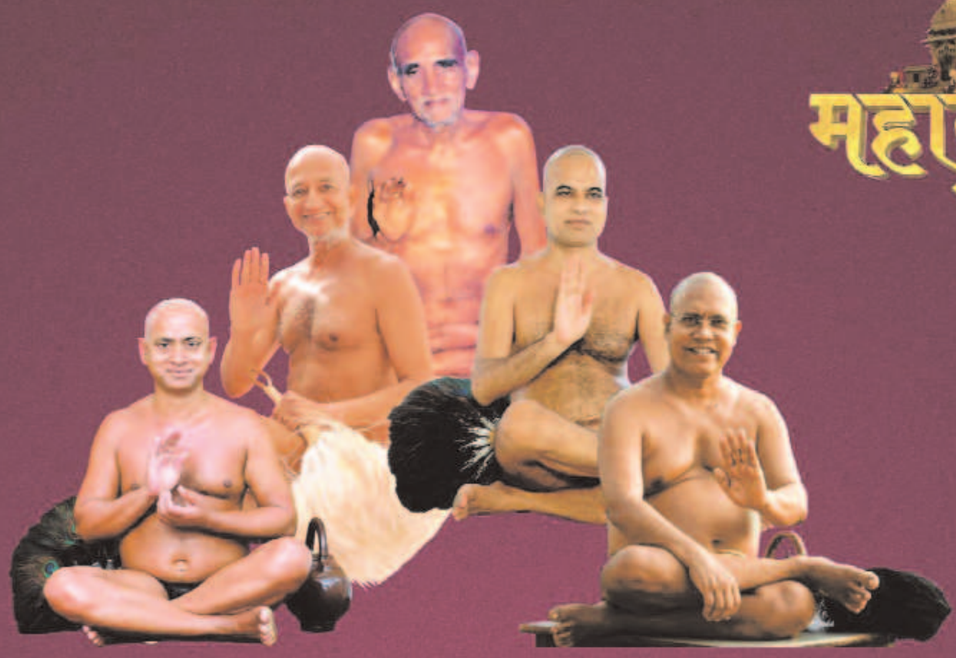

पट्टाचार्य महा महोत्सव सुमतिधाम में पधारे
समस्त आचार्यश्री, मुनिश्री, आर्यिकाश्री
माताजी ससंघ के श्री चरणों में
शत् - शत् नमन...
आयोजन में पधारे समस्त
साधर्मियों का आत्मीय अभिनंदन...

DP

D.P. Jewellers

A BOND OF TRUST SINCE 1940

A VENTURE OF D.P. ABHUSHAN LTD.

TOLL FREE No.: 1800 202 0339 www.dpjewellers.com

इन्दौर : राजानी भवन के पास, वाय.एन. रोड (0731-4099996 | रतलाम : 138, चाँदनी चौक (07412-408900 | रतलाम (2) : जैन स्कूल के सामने, सागोद रोड (07412-433888
उज्जैन : पुलिस कंट्रोल रूम के सामने, माधव नगर (0734-2530786 | नीमच : 22, टीचर कॉलोनी, (07423-292500 | भोपाल | उदयपुर | भीलवाड़ा | कोटा | बांसवाड़ा | अजमेर

संपादकीय

आतंकवाद और आतंकिस्तान के अंत करने का अनुकूल समय

पिछले पांच दशक से विभिन्न प्रकार के पाकिस्तान पोषित आतंकवाद को झेल रहे भारत के लिए यह सबसे अनुकूल ओर जनभावनाओं से जुड़ा मौका है कि ,वह भारत सहित पूरे विश्व के लिए आतंक का नासूर बने पाकिस्तान उर्फ आतंकिस्तान को करारा ओर ठोस जवाब देकर अगला पिछला पुराना सभी हिसाब चुकता कर ले। पहलगाम में पाक परस्त आतंकवादियों द्वारा 26 पर्यटकों की नृशंस हत्या के बाद देश मे आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ देश की जनता में दुख आक्रोश ओर गुस्सा चरम सीमा पर है ।

आज भारत के साथ देश की समस्त राष्ट्रवादी देशभक्त जनता समस्त राज नेता राजनीतिक दल ओर अमेरिका रूस फ्रांस ब्रिटेन ओर अरब देशों सहित अन्य देशों का अंतरराष्ट्रीय समर्थन प्राप्त है जिसके चलते वह पाकिस्तान पर हर प्रकार की सैन्य कार्यवाही कर सकता है।प्रधानमंत्री रक्षा मंत्री और गृह मंत्री को अब बिना देर करे अब , पाकिस्तान की आतंक परस्त सरकार उनके सेना कमांडर उनके आतंकवादियों ओर भारत विरोधी गतिविधिया चलाने वालों और वहाँ छिपे हुए भारत के अपराधियों ओर उनको को पनाह देने वालो को नेस्तनाबूद करने की कार्यवाही करें।यही समय है कि भारत पीओके में आतंकवादी लांचर पेड उनके ट्रेनिंग सेंटरो के साथ साथ पाक अधिकृत कश्मीर में भी प्रभावी निर्णयात्मक सैन्य कार्यवाही कर सकता है उसके लिए अभी यही समय उपयुक्त है।

सखाराम मजदूर

दिहाड़ी मजदूर सखाराम रोज की तरह बड़ी सुबह घर से यह सोचकर मजदूर चौक के लिये निकला कि आज तो कुछ न कुछ काम मिल ही जायेगा। वैसे भी वह बीमार रहने के कारण कई दिनो से मजदूरी करने नही जा पा रहा था। घर पर उसके बूढ़े माँ-बापू के अलावा तीन बच्चे भी थे उन सब की जिम्मेदारी भी सखाराम पर ही थी। काफी दिनो तक बीमार रहने से व दवाईयों के कारण वह शारारिक रूप से काफी कमजोर हो गया था साथ ही उसकी आर्थिक स्थिति भी खराब हो गयी थी। वह घर के राशन की चिंता और बूढ़े माँ-बापू के लिये चिंतित हो रहा था और इसी उधेड़बुन मे था कि उसके कानों मे आवाज सुनाई दी कि भय्या बड़े से बंगले मे साफ-सफाई व पुताई करना है,करोगे ? यह किसी नौजवान युवक की आवाज थी। यह सुनकर वह एकदम से चौक गया वह गमछे से चेहरे का पसीना पोछता हुआ उठ खड़ा और लगभग हड़बड़ाते हुए बोला हा बाबु साब, जरूर करेगें,कितने दिन का काम है ऐसा बोलकर उसने अपनी मजदूरी बता दी। वह नौजवान युवक बोला,लगभग महीने भर। बस फिर क्या था मुंहमागी मजदुरी और लगातार महीने भर। सखाराम ने फौरन हा कर ली। उस नौजवान ने कुछ रूपये अग्रिम दिये और बंगले का पता व फोन नंबर देते कहा कल से काम पर आ जाना।

उद्योग मंदिर की तरह हैं जिससे लाखों लोगों को मिलता है रोजगार के रूप में आशीर्वाद : मुख्यमंत्री

जीआईएस में आईटी से संबंधित हुये 99 एमओयू में से 25 प्रतिशत का आज हुआ है भूमि-पूजन

इंदौर , राष्ट्रीय जनभावना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उद्योगों का निर्माण किसी मंदिर के बनने की तरह है। उद्योग ऐसे मंदिर हैं जो भगवान की तरह दर्शन जीविका का प्रसाद और आशीर्वाद देते हैं। श्रम शक्ति से लाखों व्यक्तियों को रोजी-रोटी मिलती है। आज के तकनीकी दौर में छोटे देश भी प्रगति कर रहे हैं। युद्धों से विकास में पिछड़ने वाले देश भी उद्यमशीलता से विकसित हो जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम आज बदलते दौर का भारत देख रहे हैं, जहां कई क्षेत्रों में तीव्र प्रगति हो रही है। इंदौर ने उद्योगों के विकास का कीर्तिमान बनाया है, इंदौर आईटी क्षेत्र की राजधानी है। इंदौर में श्री अतुल पंचशील जैसे उद्योगपति विशिष्ट कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया प्रदेश में पाँच बड़े नगरों में इण्डस्ट्री पार्क प्रारंभ किये जा रहे हैं। कोरिया जैसे देश जिनसे भारत का पुराना सांस्कृतिक नाता है, वे भी मध्यप्रदेश में निवेश के लिये इच्छुक हैं। आज की कॉन्क्लेव में कोरिया और जापान से भी प्रतिनिधि आये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कॉन्क्लेव से लगभग 20 हजार करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे लगभग 75 हजार रोजगार सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि मुझे बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि आज के टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के भूमि-पूजन एवं शिलान्यास भी हुए हैं। इसमें से जीआईएस-भोपाल में आईटी सेक्टर में प्राप्त 99 प्रस्तावों में से 25 प्रतिशत का आज भूमि-पूजन हुआ है, जो इस बात का द्योतक है कि हम बस वादे नहीं करते, उन्हें धरातल पर उतारकर भी दिखाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में मध्यप्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भोपाल जिले के बैरसिया में मोबाईल, सेमीकंडक्टर डिवाइस पार्क बनाने वाले प्रतिष्ठान विश्व स्तरीय अधोसंरचना का लाभ प्राप्त करेंगे। लगभग 209 एकड़ क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग के इस मेगा प्रोजेक्ट से बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध कराना संभव होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल के बैरसिया में महत्वपूर्ण निवेश करीब 1500 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करने में सफलता मिली है। स्पेस टेक नीति के अंतर्गत यह कार्य होगा। इससे सायबर सुरक्षा के क्षेत्र में नया दौर सामने आयेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर में एग्रीटेक उत्कृष्टता केन्द्र बनेगा। ड्रोन तकनीक सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश आयेगा। परदेशीपुरा आईटी पार्क से नई संभावनाएँ विकसित होंगी। इंदौर आईटी क्षेत्र की नई राजधानी बन गयी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा तैयार की गयी 18 उद्योग हितैषी नीतियों का लोकार्पण किया था। ये नीतियाँ उद्योगों के विकास में उपयोगी सिद्ध हो रही हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश में अद्भूत कार्य किया है। उनके विकसित भारतञ्च2047 के संकल्प के अनुसार मध्यप्रदेश में निरंतर कार्य हो रहा है। जीआईएस-भोपाल से उद्योग स्थापना के सभी रिकार्ड टूटे हैं। उद्योगपति स्वयं यह कह रहे हैं कि मध्यप्रदेश में एक माह में उद्योग लगाने का कार्य संभव हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश तेज गति से कृषि विकास दर प्राप्त कर रहा है। आगामी 3 मई को कृषि मेला आयोजित किया जा रहा है। प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय 11 हजार से बढ़कर एक लाख 52 हजार रुपये तक पहुंच गयी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर में आज हुई कॉन्क्लेव में एमओयू करने वाले सभी औद्योगिक संस्थान बधाई के पात्र हैं। कॉन्क्लेव के दौरान चार नई औद्योगिक नीतियों की गाइड लाईन जारी की गयी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश अब मात्र वादों का नहीं, जनता से किये गये वादों को पूरा कर विकास के पथ पर अग्रसर होने वाला राज्य है। ÷टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025÷ मध्यप्रदेश की तकनीकी-परक औद्योगिक यात्रा का स्वर्णिम पड़ाव है। आज का दिन मध्यप्रदेश के टेक्नो-इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा। इन्दौर में टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव का सफल आयोजन हुआ है। यह सिर्फ एक कॉन्क्लेव नहीं है, बल्कि प्रदेश की तकनीकी-परक अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए ऐतिहासिक कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 में हमने दुनिया को मध्यप्रदेश की प्रौद्योगिकी क्षमता से रूबरू करवाया था। यह कॉन्क्लेव उसी संकल्प का जीवंत उदाहरण है, जहां हम ÷इरादों को निवेश में÷ और %नीतियों को क्रियान्वयन% में बदल रहे हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को हुए अभी 60 दिन ही हुए हैं और इस अल्प समय में टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव का सफल आयोजन हमारी %प्रॉमिस्ड डिलीवरी% की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के निवेश इरादों को ठोस निवेश में बदलना, राज्य में तकनीकी विकास के लिए सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना, नए आईटी पार्क, सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस, इनक्यूबेटर्स की स्थापना करना, प्रमुख बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं के लिए भूमि-पूजन कर आधारशिला रखना एवं पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं का लोकार्पण करना, जीसीसी, आईटी, आईटीईएस सेमीकंडक्टर्स, ड्रोन, और एवीजीसी-एक्सआर पर चर्चा करके इन नीतियों का सफल क्रियान्वयन कराना, मुख्यमंत्री डॉ. यादव और उद्योगपतियों के बीच विशेष बैठकें आयोजित कर निवेश स्वीकृतियों और परियोजना-स्तरीय चिंताओं पर चर्चा करना और रीयल-टाइम अपडेट और एंड-टू-एंड सुविधा प्रदान करने के साथ प्रदेश को नवाचार और निवेश के लिए एक वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कॉन्क्लेव में 19 निवेशकों से वन-टू-वन मीटिंगभी की गई। इंदौर, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर के प्रमुख आईटी पार्कों में 4 नए सुविधा केंद्रों का गठन किया जायेगा। आईटी स्टार्टअप्स को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत शामिल किया जायेगा। आईटी पार्क टॉवर भोपाल बनाया जायेगा, जिसमें 125 करोड़ रूपये की लागत से 3 लाख वर्ग फिट लीज़बल स्पेस बनाई जायेगी। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर में प्लग एंड प्ले सुविधा विकसित की जाएगी, जिससे टेक स्टार्टअप्स और कंपनियों को तैयार इंफ्रास्ट्रक्चर मिलेगा। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि देश का स्वच्छतम शहर इन्दौर शहर अब टू टीयर शहर से आगे बढ़ चुका है। यह शहर क्लीन और ग्रीन सिटी है। आने वाले समय में पर्यावरण क्षेत्र में सुधार होगा और शहर में तापमान 5 डिग्री तक कम करने में सफलता प्राप्त होगी। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने उद्योगों के विकास संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस संकल्प के अनुसार निरंतर महत्वपूर्ण निर्णय लेकर उनका क्रियान्वयन करवाया है। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कहा कि जीआईएस-भोपाल में प्राप्त निवेश प्रस्ताव महत्वपूर्ण रहे। प्रत्येक एमओयू की मुख्यमंत्री के स्तर पर प्रतिमाह समीक्षा की जाती है। जीआईएस-भोपाल में हुये एमओयू पर तेज गति से कार्य हो रहा है। दो माह में यह उपलब्धि प्राप्त हुई है। समिट में 18 उद्योग नीतियों की घोषणा के बाद उन पर अमल भी किया जा रहा है। प्रदेश में कृषि दर के बाद अब कुल ग्रोथ रेट भी बढ़ रही है। स्वास्थ्य और शिक्षा के साथ अधोसंरचनात्मक विकास हो रहा है। आई.टी. क्षेत्र में 4 नीतियाँ लागू की गयी हैं। उद्योगों को सहायता देने में मध्यप्रदेश अन्य राज्यों से आगे है। किसी उद्योग की स्थापना के लिये आवश्यक स्वीकृतियाँ समय पर प्रदान की जा रही हैं।

मुख्य सचिव श्री जैन ने मध्यप्रदेश की अनुकूलताओं और विशेषताओं की भी जानकारी दी। अपर मुख्य सचिव सूचना प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे ने कहा कि फरवरी में हुई जीआईएस-भोपाल में तीन प्रमुख क्षेत्रों टेक्सटाईल, पर्यटन, टेक्नोलॉजी पर जोर दिया गया था। देश भर में 70 हजार करोड़ रुपये का निवेश जमीन पर उतारने में सफलता मिली है। निवेशकों को समय सीमा में जरूरी स्वीकृतियां प्राप्त हो रही है। एसीएस श्री दुबे ने कहा कि प्लग एंड प्ले की अनुकूलता उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए प्रेरित कर रही है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस का लाभ निवेशकों को मिल रहा है। श्रमिकों की उपलब्धता प्राप्ति और आवश्यक अधोसंरचना में मध्यप्रदेश अन्य राज्यों से आगे है। किसी उद्योग की स्थापना के लिए आवश्यक स्वीकृति समय पर प्रदान की जा रही हैं। कार्यक्रम में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा निर्मित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्रम् से किया गया।

भूमि-पूजन और शिलान्यास

कंट्रोल-एस डेटा सेंटर के लियेसीसीआईपीके तहत 5 एकड़ भूमि आवंटित हुई हैं। इनके द्वारा भोपाल के बड़वई आईटी पार्क में 12 मेगाबाइट का डाटा सेंटरका निर्माण किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट में अनुमानित निवेश लगभग 500करोड़रूपये हैं, जिससे प्रत्यक्ष 200 से अधिक लोगों को रोजगारप्राप्त होगा। पंचशील इंफ्रा डेवलपर्स = इन्हें सीसीआईपी के तहत 10 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। इन के द्वारा इंदौर के सुपर कॉरिडोर में आईटी बिल्डिंग का निर्माण किया जाएगा, जिसका निर्मित क्षेत्रफल लगभग 20 लाख वर्ग फुट होगा। इस प्रोजेक्ट में अनुमानित निवेश लगभग 1000 करोड़ रुपये है, जिस से प्रत्यक्ष रूप से 15000 से अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। दृष्टि आईआईटीआई इनक्यूबेशन सेंटर= इनके द्वारा सिन्हासा आईटी पार्क, इंदौर में 10,248 वर्ग फुट में 120 सीटर स्टार्ट-अप स्पेस का निर्माण किया जाएगा, जो प्रदेश के स्टार्ट-अप्स को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाने का कार्य करेगा। इस प्रोजेक्ट में अनुमानित निवेश लगभग 7 करोड़ रुपये है जो लगभग 120 स्टार्ट-अप्स कंपनियों के लिए पर्याप्त होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुझे आपको यह बताते हुए और भी गर्व हो रहा है कि आज के कॉन्क्लेव में ही कई परियोजनाओं का शुभारंभ भी हुआ है जो विश्वास दिलाता है कि मध्यप्रदेश भारत का टेक हब बनने की ओर तेजी से अग्रसर है।

महाकुंभ पट्टाचार्य महोत्सव, इंदौर में पधारे समस्त दिगम्बर जैन संतों के चरणों में शत् शत् वंदन

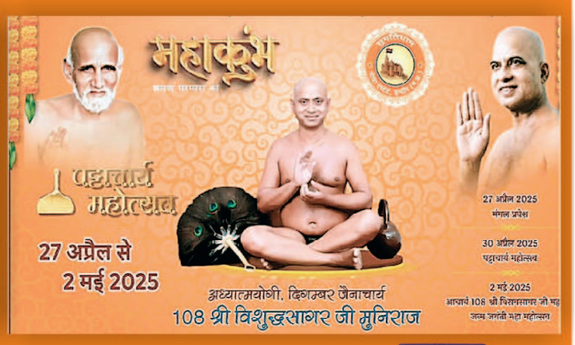

अध्यात्मयोगी, दिगम्बर जैनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागरजी मुनिराज

महाराज सा. की सेवा में
नकुल पाटोदी

महाराज सा. की सेवा में
अंकुल पाटोदी: 9977972868

BODYLINE
GOLD
FITNESS CENTRE

सौजन्य से:-मनरतन प्रॉपर्टी पाटोदी परिवार रंग महल, इन्दौर (म.प्र.)

गुरू और शिष्य की एक-दूसरे के प्रति श्रद्धा का होना जरूरी - आचार्य श्री विशुद्ध सागरजी

धर्म, गुरुवर, आस्था और भक्तों का अनूठा संगम है महाकुंभ पट्टाचार्य महोत्सव, लाखों भक्त जुटे

इन्दौर, राष्ट्रीय जनभावना। इन्दौर के गांधीनगर में आयोजित छह दिवसीय महाकुंभ पट्टाचार्य महोत्सव लाखों भक्तों की आस्था का केन्द्र बना हुआ है। इस पट्टाचार्य महोत्सव में 350 से अधिक आचार्य और महाराज साहब के आगमन से सारा सुमतिधाम परिसर एक विशाल धर्म क्षेत्र के रूप में परिवर्तित हो गया है। इस पट्टाचार्य महोत्सव में धर्म, आस्था और श्रद्धा की गंगा बह रही है। आचार्य और गुरुवर के प्रवचनों से लाखों लोग धर्म और ज्ञान का लाभ उठा रहे हैं।

मौसम अपना धर्म नहीं छोड़ता, ऋतु अपना धर्म नहीं छोड़ती, हमसे गुरू भक्ति कैसे छूट सकती हैं। ध्यान रहे गुरू के प्रति श्रद्धा होने से ही ज्ञान होता है। जीवन में अनेकांत और स्वाध्याय का होना आवश्यक है। एक वस्तु में अनेक धर्म होते हैं। आचार्यश्री ने दृष्टांत के माध्यम से बताया कि संसार में आम को देखकर मुंह में लार रसायन उत्पन्न होते हैं। उसी प्रकार भगवान के दर्शन से सम्यकदर्शन की प्राप्ति होती हैं और मिथ्यात्व की समाप्ति होती हैं। यदि गुरू के प्रति शिष्य श्रद्धा न रखें तो उसे ज्ञान प्राप्त नहीं हो सकता। आचार्यश्री विशुद्ध सागर ने प्रवचनों में आगे कहा कि प्रकृति में सर्दी, गर्मी, वर्षा अपना स्वभाव नहीं छोड़ सकती उसी प्रकार जैन धर्म की कल्पना बगैर रसायन संभव नहीं है। वस्तु की विशालता वस्तु से नहीं दृष्टि से होती हैं।

जगत में ऐसा कोई मंत्र नहीं जो एकांत में हो और कोई वस्तु नहीं जो एकांत में हो। गुरू और शिष्य की एक-दुसरे के प्रति श्रद्धा का होना जरूरी हैं जब तक श्रद्धा नहीं होगी तब तक ज्ञान का उदय नहीं होगा।

उक्त विचार आध्यात्म योगी शताब्दी देशनाकार आचार्यश्री विशुद्ध सागर महाराज ने गांधी नगर गोधा एस्टेट स्थित सुमतिधाम में आयोजित 6 दिवसीय पट्टाचार्य महोत्सव के दुसरी दिन देशना मंडप में प्रवचनों की अमृत वर्षा करते हुए व्यक्त किए। आचार्यश्री ने कहा कि जिस घाट पर गाय ओर शेर एक साथ पानी पीते हैं वहां जिन धर्म होता है। जिन शासन ही मेरा संघ हैं, जिन आज्ञा ही मेरी परंपरा है। देशना मंडप में विराजमान आचार्यश्री पुष्पदंत सागर महाराज एवं गणिनी आर्यिका माता ने भी गुरू भक्तों पर प्रवचनों की अमृत वर्षा की। सोमवार को पट्टाचार्य महोत्सव के दुसरे दिन भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के पदाधिकारियों ने भी आचार्यश्री व उनके संसघ को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सोमवार को आचार्यश्री विशुद्ध सागर महाराज की आहारचर्या का सौभाग्य प्रभा देवी गोधा, मनीष-सपना गोधा परिवार को प्राप्त हुआ। आचार्यश्री के साथ ही 12 आचार्य, 8 उपाध्याय, 140 दिगंबर मुनि, 9 गणिनी आर्यिका, 123 आर्यिका माता जी, 105 ऐलक, क्षुल्लक, क्षुल्लिका की आहारचर्या भी इन्हीं 360 चौकों में संपन्न हुई।

दोपहर में प्रसिद्ध उद्योगपति अशोक पाटनी (आर के मार्बल) सहपरिवार पहुंचे उन्होंने सौभाग्य सदन में आचार्यश्री को श्रीफल भेंट कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री सुमतिनाथ दिगंबर जिनालय गोधा एस्टेट, पट्टाचार्य महोत्सव समिति, गुरू भक्त परिवार एवं मनीष-सपना गोधा ने बताया कि सुमतिधाम में गणाचार्य विराग सागर महाराज की प्रेरणा व मार्गदर्शन में निर्मित विरागोदय तीर्थ की प्रतिकृति गुरू भक्तों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। गणाचार्य विराग सागर महाराज के साहित्य सृजन को भी अलग से स्वाध्याय मण्डप बनाकर प्रस्तुत किया गया है।

जब तक श्रद्धा नहीं होगी तब तक ज्ञान का उदय नहीं होगा

भगवान महावीर स्वामी के सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह के सिद्धांतों पर चलकर ही समाज का कल्याण किया जा सकता है- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

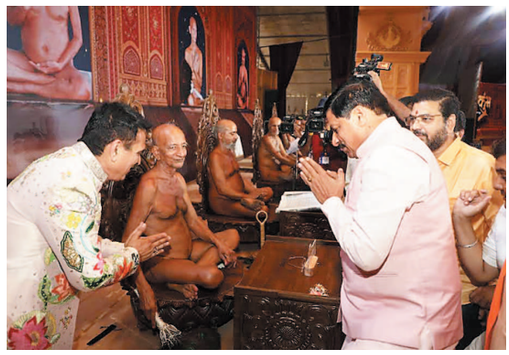

इन्दौर, राष्ट्रीय जनभावना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान महावीर स्वामी के सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह के सिद्धांतों पर चलकर ही समाज का कल्याण किया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंदौर में दिगंबर जैन महाकुंभ में उपस्थित जन समुदाय को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने महाकुंभ में पधारे जैन साधुओं का चरण स्पर्श कर उनसे आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं विधायक गण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि इंदौर में जैन संप्रदाय के साधुओं के महाकुंभ आयोजन से मालवा की धरती धन्य हो गई है। मालवा क्षेत्र के लिए यह एक अद्भुत अवसर है। दिगंबर साधुओं का पट्टाभिषेक कार्यक्रम का यह एक बड़ा आयोजन है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि जैन साधु अपने आचरण से समाज को एक अच्छा संदेश देते हैं। दिगंबर साधु हमें प्रकृति के साथ जीवन यापन कैसे किया जाए यह सीखाते हैं। उनका आचरण हमारी धर्म के प्रति आस्था को और मजबूत बनाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने प्रदेश के धार्मिक स्थलों पर शराब की बिक्री नहीं करने का निर्णय लिया है और इसे अमल में भी लाया है। प्रदेश सरकार ने तय किया है कि खुले में मांस की बिक्री नहीं होगी और इसका पालन भी कराया जा रहा है। प्रदेश सरकार गौशालाओं को प्रोत्साहन दे रही है। गौपालन को प्रोत्साहन देने के लिए कामधेनु योजना बनाई गई है। इस योजना में 25 से ज्यादा गाय पालने पर शासन द्वारा 25 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। दिगंबर महाकुंभ कार्यक्रम के संयोजक श्री मनीष गोधा ने कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डा. यादव के पधारने पर उनका आभार व्यक्त किया।

24 घंटे में एक बार आहार लेते हैं संत

इंदौर। पट्टाचार्य महोत्सव में 388 से ज्यादा जैन संत देशभर से पधारे हैं। संतों के समागम का ऐसा आयोजन पहली बार शहर में हो रहा है। आयोजन स्थल सुमतिधाम पर संतों की आहारचर्या के लिए 360 चौके अलग-अलग ब्लॉक में बनाए गए हैं। यहां समाज के 350 से ज्यादा परिवार सेवा में जुटे हैं। रोज सुबह 6 बजे उठकर कुएं के पानी से भोजन तैयार कर रहे।

संतों की सेवा में जुटीं परिधि जैन बताती हैं, सभी चौके में अलग-अलग चार से छह महिलाएं मिलकर सुबह 6 बजे से भोजन तैयार करती हैं। आटे से लेकर मसाले सब कुछ हर दिन सुबह ही पीसते हैं। रश्मि वेद, विजेता गोधा और संगीता बड़जात्या ने कहा सभी श्रद्धालुओं को अपने-अपने चौके के नंबर दिए हैं। उसी क्रम से वे खड़े होते हैं।

जैन संत 24 घंटे में एक ही बार आहार और पानी लेते हैं, वह भी खड़े-खड़े, अपने हाथों में। अपने हाथ में अंजुली को पात्र बनाकर ही भोजन लेते हैं। जैन संतों का कहना है कि 24 घंटे में एक बार ही भोजन-पानी लेने से सब अच्छा चल रहा है तो वह हमारे लिए पर्याप्त है। साधना-तप के बल पर यह संभव हुआ है।

1 लाख लोगों के पेयजल के लिए आरओ प्लांट लगाया

पट्टाचार्य महोत्सव के आयोजक सपना-मनीष गोधा ने कहा श्रद्धालुओं के लिए 5 भोजनशालाएं भी आयोजन स्थल पर बनाई हैं। एक लाख लोगों के पीने के पानी के लिए आरओ प्लांट लगाया है। हर भोजनशाला में 25-25 हजार श्रद्धालुओं के भोजन की व्यवस्था है। भोजनशाला में रोटी, सब्जी, दाल, चावल, दो मिठाई, नमकीन है। गर्मी को देखते हुए छाछ, केरी का पना और जूस की व्यवस्था भी है। रोटी के लिए ऑटोमैटिक मशीनें हैं। उल्लेखनीय है कि छह दिवसीय चलने वाले इस महाकुंभ पट्टाचार्य महोत्सव में देश-विदेश से लाखों लोग आकर धर्म का लाभ ले रहे हैं। इस समय पूरी अहिल्यानगरी धर्ममय होकर पट्टाचार्य महोत्सव में आये हुए 388 आचार्य एवं महाराज सा. के दर्शन का लाभ लेकर उनकी वाणी से निकले प्रवचनों से जीवन आनंदित कर रहे हैं।

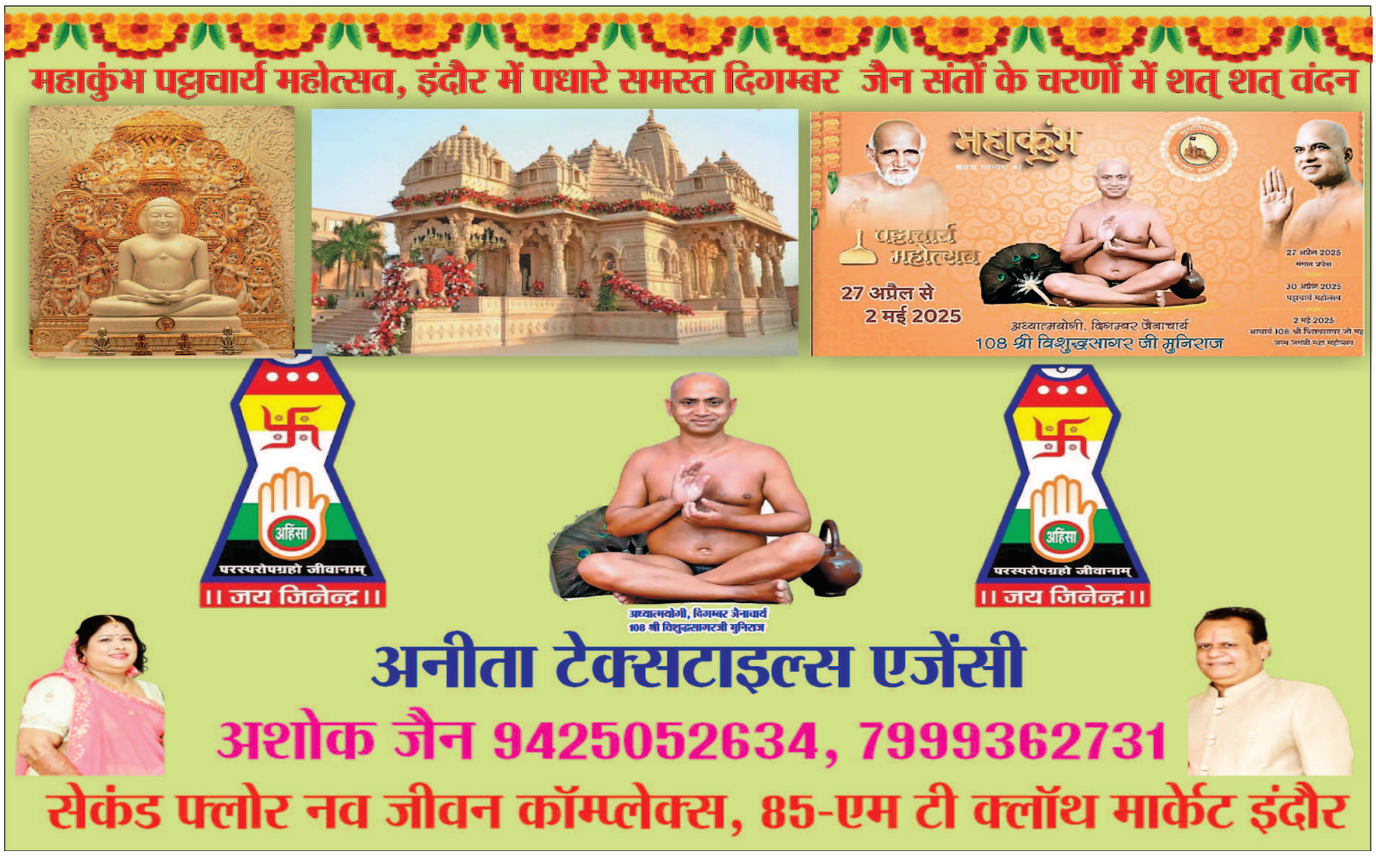

गुरु चरणों में श्रीवंदन व आभार

हर एक सपना साकार हो गया

तुमसे लगन लगाई बेड़ा पार हो गया

इतना स्नेह इतना प्रेम इंदौर मे किसी कालोनी या क्षेत्र नहीं को मिला होगा जो *श्री पार्श्व नाथ दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर अंजनी नगर* के भक्तो को मिला है द्य

पूज्य गुरुदेव श्रुत संवेगी आगम वाणी के ज्ञाता मुनि श्री आदित्य सागर जी व समस्त संघ की हम पर यह अनुकम्पा व आशीष रहा की अंजनी नगर की समस्त समाज पर विश्वास कर उन्होंने 52 पिच्छी की मंगल आगवानी सहित लगभग 7 मंगल अगवानी का सौभाग्य दिया .

अंजनी नगर को पट्टाचार्य महोत्सव के पूर्व लगभग 110 नए निग्रन्थ साधुओ के मंगल दर्शन प्राप्त हुए .

हे गुरुदेव आपका स्नेहरूपि आशीष हम सभी भक्तो पर सदैव बना कर रखना व आपकी आज्ञा को पूर्ण करने मे हमसे कोई त्रुटि या कमी रह गई हो तो हमें क्षमा का दान देना

आपकी ओजस्विता से हमें जो ऊर्जा प्राप्त होती है उससे हमारा जीवन बड़ा ही शिथिलता पूर्वक चलता रहता है पुनः पुनः आप सभी गुरुओ को इनमोस्तु नमोस्तु नमोस्तु.

सबसे पहले यह सौभाग्य देने वाले ज्सुमतिधाम पट्टाचार्य महोत्सवज के कर्म वीर श्री मनीष जी सपना गोधा का धन्यवाद की उनकी भक्ति से ही यह आयोजन इंदौर मे आयोजित होना तय हुआ द्य और उसके बाद सभी निग्रन्थ साधुओ का आगमन इंदौर की धरा पर हुआ . उनके पुण्य की अनंत अनंत अनुमोदना द्य एवं श्री पार्श्वनाथ मंदिर कमेटी अंजनी नगर आपका आभार व्यक्त करती है .

साथ ही सभी समाजजन जिन्होंने पूज्य संतो के चौके लगाए, मुनि व्यावृत्ती के लिए अपना समय दिया व जिन युवा साथियो ने विहार करवाए उन सभी परिवार को मित्रो को बहुत बहुत आभार

महापौर मेगा रोजगार मेला 9 मई को इंदौर में आयोजित होगा

10,000 से अधिक युवाओं को मिलेगा रोजगार का सुनहरा अवसर

इन्दौर, राष्ट्रीय जनभावना। युवाओं को रोजगार के अवसर सुलभ कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए इंदौर में आगामी 9 मई 2025 को महापौर मेगा रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। इस मेले का उद्देश्य निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में 10,000 से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना है। मेले के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन और नगर निगम द्वारा व्यापक तैयारियाँ प्रारंभ कर दी गई हैं।

महापौर और कलेक्टर ने की तैयारियों की समीक्षा

सोमवार को सीटी बस सभागार आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने मेले की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा,सहित शैक्षणिक और स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा

युवाओं को उनकी योग्यताओं के अनुरूप रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस मेगा रोजगार मेले के माध्यम से अधिकतम युवाओं को लाभान्वित करने का प्रयास किया जा रहा है।

कलेक्टर आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि रोजगार मेले के दौरान पंजीकरण, साक्षात्कार, सुरक्षा, चिकित्सा, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित किया जाए ताकि प्रतिभागी युवाओं को कोई असुविधा न हो।

प्रमुख विशेषताएँ

100 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियाँ जैसे पेटीएम, टॉरस प्राइवेट, पटेल मोटर्स, एयरटेल, ज़ोमेटो, सोनी इंडिया, डॉ. रेड्डी ग्रुप आदि मेले में भाग लेंगी। कंपनियाँ विभिन्न क्षेत्रों जैसे आईटी, रिटेल, ई-कॉमर्स, बीपीओ, कंसल्टेंसी, फार्मा, फिनटेक, सेल्स, मार्केटिंग, अकाउंटिंग और फाइनेंस से संबंधित रहेंगी। करियर काउंसलिंग और स्किल डेवलपमेंट सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिसमें सीवी बनाने, इंटरव्यू तकनीक और करियर मार्गदर्शन पर विशेषज्ञ सलाह दी जाएगी।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

उम्मीदवारों को गूगल फॉर्म या क्यूआर कोड के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कराना आवश्यक है।

रजिस्ट्रेशन के बाद उम्मीदवार को रसीद क्रमांक, ई-कार्ड और पास उपलब्ध कराया जाएगा।

पंजीकरण प्रक्रिया निःशुल्क रहेगी।

उम्मीदवारों के लिए आवश्यक दस्तावेज

बायोडाटा/रिज़्यूमे

पासपोर्ट साइज फोटो

पहचान पत्र (आधार कार्ड/पैन कार्ड आदि)

शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र (10वीं, 12वीं, डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर)

आयु सीमाःन्यूनतम 18 वर्ष, अधिकतम 30-35 वर्ष (कंपनी के अनुसार)

महापौर रोजगार मेले का महत्वपूर्ण उद्देश्य

युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना

कौशल विकास को बढ़ावा देना

फ्री करियर काउंसलिंग और स्किल डेवलपमेंट सेशन के माध्यम से युवा क्षमता को सशक्त बनाना

14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने जड़ दिया 35 गेंदों में शतक

जयपुर। जयपुर में राजस्थान रॉयल्स वर्सेस गुजरात टाइटंस के मैच में वैभव सूर्यवंशी का तूफान आया। वैभव ने मात्र 35 गेंदों पर 100 रन बनाते हुए शतक जड़ डाला। इसके साथ ही वह आईपीएल में सबसे तेज शतक जड़ने वाले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने यूसुफ पठान को पीछे छोड़ा, जिन्होंने आईपीएल में 37 गेंद में शतक बनाया था। आईपीएल में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने 2013 में मात्र 30 गेंद में शतक बनाया था। अपनी पारी के दौरान वैभव सूर्यवंशी ने मोहम्मद सिराज से लेकर ईशांत शर्मा और वॉशिंगटन

सुंदर समेत जीटी के सभी गेंदबाजों पर खूब छक्के उड़ाए। ईशांत के एक ओवर में तो वैभव ने 26 रन ठोक डाले। इसमें तीन छक्के और दो चौके शामिल थे। वह यहीं नहीं रुके, करीम जन्नत के ओवर में वैभव ने 30 रन ठोक डाले। वैभव सूर्यवंशी की खतरनाक बल्लेबाजी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने जीटी के किसी भी गेंदबाज को नहीं बख्शा। अपनी पारी के दौरान वैभव ने इस मैच में आईपीएल डेब्यू कर रहे करीम जन्नत की बोहनी भी खराब कर डाली। उन्होंने करीम जन्नत के पहले ही ओवर में 30 रन ठोक डाले। वैभव की पारी का एक्साइटमेंट ऐसा था कि अभी तक व्हीलचेयर पर बैठे राजस्थान के कोच राहुल द्रविड़ भी खड़े हो गए। उन्होंने दोनों हाथ उठाकर वैभव का मनोबल बढ़ाया। शतक लगाने के साथ वैभव सूर्यवंशी टी20 में शतक बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 14 साल 32 दिन की उम्र में यह कारनामा अंजाम दिया। वैभव सूर्यवंशी की खतरनाक बल्लेबाजी वाली पारी का अंत गुजरात जायंट्स के गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने किया। उन्होंने शानदार यॉर्कर पर वैभव का स्टंप बिखेर दिया। पवेलियन वापस लौटते समय गुजरात जायंट्स के तमाम खिलाड़ियों ने वैभव को बधाई दी। वैभव ने 38 गेंद पर 101 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 7 चौके और 11 छक्के लगाए।

राज्यपाल महामहिम श्री थावरचंद जी ने भगवान श्री खाटू श्याम जी के दर्शन किए

जयपुर। नई दिल्ली कर्नाटका के राज्यपाल महामहिम श्री थावरचंद जी गहलोत ने राजस्थान के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल खाटू श्याम में जाकर भगवान श्री खाटू श्याम जी के दर्शन किए । श्री गहलोत ने श्री खाटू श्याम जी के दर्शन करने के बाद कहा कि ,भगवान श्री खाटू श्याम के दर्शन से मन ओर ह्रदय प्रसन्न है यहा आने के बाद मन को बहुत ही शांति प्राप्त हुई है , श्री खाटू श्याम जी से देश और प्रदेश वादियों के सुख शांति और विकास की कामना की है।

एमपी में 71 करोड़ के आबकारी घोटाले में ईडी की छापेमारी

इंदौर, भोपाल, रीवा और मंदसौर में कई ठिकानो पर दबिश, शराब कारोबारियों पर टूट पड़ी ईडी

इन्दौर । ED के अफसरों की 18 टीम ने 71 करोड़ के आबकारी फर्जी बैंक चालान घोटाले के आरोपियों के साथ आबकारी अफसरों के यहां आज अल सुबह रेड डाली इंदौर के तुलसी नगर और बसंत विहार कालोनी के साथ इंदौर के बाहर जबलपुर, भोपाल में ईडी की छामापार कार्यवाई /जांच की जा रही है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को बड़ी कार्यवाही करते हुए एमपी के इंदौर, भोपाल, रीवा और मंदसौर में शराब कारोबारियों के कई ठिकानों पर एक साथ छापामार कार्यवाही की हैं। जानकारी के मुताबिक इंदौर में अलग-अलग शराब कारोबारियों के 18, भोपाल में 1 सहित

जबलपुर और मंदसौर में भी शराब व्यापारियों के ठिकानों पर सर्चिंग की जा रही है। खबर लिखे जाने तक सर्चिंग की कार्यवाही को लेकर ईडी की ओर से अधिकृत तौर पर कोई जानकारी नहीं दी गई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक इंदौर में शराब ठेकेदार अविनाश और विजय श्रीवास्तव, राकेश जायसवाल, योगेंद्र जायसवाल, राहुल चौकसे, सूर्यप्रकाश अरोरा, गोपाल शिवहरे, लवकुश और प्रदीप जायसवाल के ठिकानों पर छापे पड़े हैं। बसंत बिहार कॉलोनी, तुलसी नगर और महालक्ष्मी नगर में और मंदसौर में जनता कॉलोनी स्थित शराब कारोबारी बंटी त्रिवेदी के मकान पर ईडी की टीमें सर्चिंग कर रही है।

जानकारी के अनुसार इंदौर जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय में साल 2015 से 2018 के बीच सरकारी गोदाम से शराब लेने के लिए इस्तेमाल 194 बैंक चालानों में गड़बड़ी सामने आई थी। हजारों के बैंक चालानों को लाखों रुपए का बनाकर गोदामों से उतनी ही शराब उठाई गई। फिर इसे ठेकेदारों ने अपनी सरकारी शराब दुकान से बेचा। शिकायत मिलने पर ईडी ने साल 2024 में शराब ठेकेदारों के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर मामले की जांच शुरू की है।

आतंक का प्रतिकार जरूरी है : गोविंद काकानी

रतलाम। रिद्धि सिद्धि विकास समिति द्वारा लेफ्टिनेंट नेवी कमांडर शहीद धर्मेंद्र सिंह चौहान का शहीद दिवस को प्रेरणा दिवस के रूप में रिद्धि सिद्धि कॉलोनी में स्थित लेफ्टिनेंट नेवी कमांडर धर्मेंद्र सिंह चौहान पार्क में गौरवशाली माता श्रीमती टीना कुंवर चौहान एवं मुख्य वक्ता गोविंद काकानी द्वारा धर्मेंद्र सिंह चौहान की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम की शुरुआत देश भक्ति गीतों द्वारा की गई जिसमें कॉलोनी में निवासरत नेहा मोड. श्रीमती हंसा शर्मा, बालिका मृशा जोशी द्वारा देशभक्ति गीत सुनाए गए। पार्थ रावल द्वारा वर्तमान स्थिति पर अपने विचार रखें। मुख्य वक्ता समाजसेवी गोविंद काकानी ने अपने उद्बोधन में कहां की ह्रदय को स्तब्ध कर देने वाली पहलगाम में हुई आतंकी घटना में सभी लोग मिलकर साहसपूर्वक उन आतंकवादियों पर हमला करते तो निश्चित कम लोग शहीद हुए होते और आतंकवादियों को भी पकड़ा जा सकता था। जिससे पाकिस्तान की पूरी साजिश का खुलासा बहुत जल्दी हो जाता परंतु वहां उपस्थित सभी लोगों द्वारा कोई भी प्रतिकार नहीं करने से आतंकवादी घटना को अंजाम देकर वापस सकुशल जंगलों में भाग गए। समय आ गया है हम सभी को धर्म के साथ शस्त्र चलाने का भी अनुभव होना चाहिए। इतिहास उठा कर देख लो कहीं भी यह नहीं लिखा अधर्मी का प्रतिकार नहीं किया जाए। उसको उसी की भाषा में जवाब हमारे पूर्वजों ने दिया है। कॉलोनी अध्यक्ष सुमित मोड, कोषाध्यक्ष दिलीप पोरवाल, राजेंद्र जोशी पंडित जी ,सह सचिव अजीत सिंह राठौड़, कार्यक्रम प्रभारी सावन डोडियार, संदीप लहरी, ईश्वरलाल पुरोहित, रवि पुरोहित, प्रखर सरवटे, दीपांश मालवीया एवं बड़ी संख्या में मातृशक्ति व नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर मोन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम का संचालन बृजेंद्र नंदन मेहता द्वारा किया गया।

महाकुंभ पट्टाचार्य महोत्सव, इंदौर में पधारे समस्त दिगम्बर जैन संतों के चरणों में शत् शत् वंदन

भीषण गर्मी में हजारों किमी की पैदल यात्रा कर इंदौर पहुंचे जैन संत, पट्टाचार्य महोत्सव बना धर्म और तप का महाकुंभ

आचार्य श्री 108 पुष्पदंत सागर जी महाराज

इन्दौर| धर्म की अलख जगाने और तप की पराकाष्ठा को जीने वाले जैन संत इन दिनों इंदौर में एक ऐतिहासिक आयोजन के लिए एकत्र हो रहे हैं। 27 अप्रैल से 2 मई तक इंदौर के गांधीनगर स्थित श्री सुमतिनाथ दिगंबर जिनालय में पट्टाचार्य महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। इस महोत्सव में देशभर से 388 से अधिक जैन साधु-संत शामिल होंगे। इस आयोजन की सबसे खास बात यह है कि आचार्य विशुद्धसागर महाराज के पट्टाभिषेक (पट्टाचार्य पद प्रतिष्ठा) संस्कार के लिए देश के अलग-अलग कोनों से साधु-संत 200 से लेकर 1600 किलोमीटर तक की पैदल यात्रा कर भीषण गर्मी में इंदौर पहुंचे हैं।

यह महोत्सव न केवल एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह संतों की तपस्या, अनुशासन और समाज को आध्यात्मिक मार्ग पर चलने की प्रेरणा का प्रतीक है। भीषण गर्मी में हजारों किलोमीटर की पदयात्रा कर इंदौर पहुंचे ये संत हमें यह सिखाते हैं कि सच्ची साधना में न समय मायने रखता है, न मौसम। इंदौर इस ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बन रहा है, जहां धर्म, तप और संस्कृति का संगम एक नई ऊंचाई पा रहा है।

क्या होता है पट्टाचार्य महोत्सव?

पट्टाचार्य महोत्सव वह विशेष अवसर होता है जब किसी आचार्य को आध्यात्मिक नेतृत्व के उच्चतम पद यानी 'पट्टाचार्य' की उपाधि प्रदान की जाती है। यह जैन धर्म में एक अत्यंत पवित्र और ऐतिहासिक क्षण होता है, जिसमें संत परंपरा की विरासत को आगे बढ़ाया जाता है।

इंदौर बना तप और श्रद्धा का केंद्र

मुनि आदित्यसागर महाराज ने बताया कि इंदौर के लोग धार्मिक भावना से ओत-प्रोत और उत्सव प्रिय हैं, इसलिए यह आयोजन यहीं किया जा रहा है। इससे पहले श्रवणबेलगोला में हुए महामस्तकाभिषेक में 375 साधु-संत शामिल हुए थे, लेकिन इंदौर में उससे भी अधिक यानी 388 संतों की उपस्थिति होगी।

तप की ऐसी मिसाल कहीं और नहीं

आचार्य विशुद्धसागरजी महाराज स्वयं श्रवणबेलगोला (कर्नाटक) से 1500 किमी से ज्यादा की दूरी तय कर 160 दिनों में इंदौर पहुंचे। वहीं उपाध्याय विभंजनसागर मुनिराज हावड़ा (प. बंगाल) से 173 दिनों की यात्रा में 1600 किमी चलकर आए। आचार्य विभवसागर महाराज मुंबई से ससंघ विहार कर 650 किमी की दूरी 51 दिनों में तय कर इंदौर पहुंचे। आर्यिका विशाश्री माताजी और उनका संघ भी हावड़ा से 175 दिनों में इंदौर पहुंचे हैं। इसके अलावा भोपाल, कोटा, कोलकाता, भिलवाड़ा और शिखरजी जैसे अनेक शहरों से संत संघों के साथ पैदल चलते हुए इंदौर पहुंचे हैं। यह केवल यात्रा नहीं, यह धर्म, संयम और तप की अनूठी साधना है।

दिव्य-तपस्वी, राष्ट्र-संत आचार्य श्री 108 सुंदरसागर जी महाराज

सुमति धाम में सौभाग्य संत भवन

सुमति धाम परिसर में एक विशाल संत भवन, जिसे 'सौभाग्य सदन' के नाम से जाना जाता है, संतों के निवास के लिए विशेष रूप से निर्मित किया गया है। यह भवन वास्तुकला का अनुपम उदाहरण है और यहां संतों के सान्निध्य में प्रवचन, भक्ति विधान और अन्य धार्मिक आयोजन सम्पन्न होते हैं। सुमति धाम का यह मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह आधुनिकता और पारंपरिकता का संगम भी है। यह जगह सभी को शांति, आंतरिक संतुलन और आत्मज्ञान की ओर मार्गदर्शन करती है। सुमति धाम का महत्व और इसके द्वारा किए जा रहे प्रयासों के कारण यह एक प्रेरणा स्थल बन चुका है, जहां दुनिया भर के लोग आकर आत्मिक शांति और संतुष्टि प्राप्त कर सकते हैं।

'तीर्थंकर महावीर की परम्परा में अपनी चर्या से समयसार दिखाते संत श्रमणाचार्य विशुद्धसागरजी महाराज'

इन्दौर | 'आत्म स्वभावं परभावं भिन्नं' के पावन सूत्र पर जीवन जीने वाले श्रेष्ठ संन्यासी, आत्मा के समर्थ आत्मान्वेषी, पतितों को पावन बनाने का पथ प्रदर्शित करने वाले प्रत्यग् आत्मदर्शी, वस्तुत्व महाकाव्य के माध्यम से वस्तु तत्व को निरुपण करने वाले, सत्य बोध प्राप्त कर सत्यार्थबोध के लेखक, सहजवाणी से अध्यात्मरस रसास्वादन कराने वाले, जिन्हें हम धरती के देवता के नाम से जानकर आनंद अनुभूति करते हैं, ऐसे महान् संत जिन्होंने परम्पराओं के पथ पर अपनी प्रज्ञा-छैनी से आचरण की पगडंडी का निर्माण कर एक ऐसा पथ तैयार किया है जिस पर आज हर कोई चलने को तैयार है। ऐसे व्यक्तित्व को हम श्रमणाचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के नाम से जानते है। बुन्देलखण्ड के प्रथमाचार्य गणाचार्य श्री विरागसागर जी महाराज के कुशल कर कमलों से क्षुल्लक, ऐलक, मुनि दीक्षा प्राप्त कर मध्यप्रदेश के युवा मनीषी ने विशुद्धसागर नाम पाया और उन्हीं के मुख कमल से समाधि के पूर्व विडियो सन्देश के माध्यम से एक विशाल संघ का पट्टाचार्य पद प्राप्त करने जा रहे हैं, जो वर्तमान इतिहास की अभूतपूर्व घटना है। ऐसे महान आचार्य जिनकी चर्या से, जिनके मुख से, जिनकी कलम से, जिनके पिच्छी-कमण्डल से, जिनके शिष्यों से समयसार के प्रत्यक्ष दर्शन होते हैं। ऐसे आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज हम सबके प्रातः स्मरणीय दिगम्बर श्रमणाचार्य हैं।

युवाओं के आदर्श संत विशुद्ध सागरजी

इक्कीसवीं सदी में जहां युवा सोशल मीडिया पर, मोबाईल, इन्टरनेट, व्हाट्सएप इन्स्ट्राग्राम आदि एप्लीकेशन पर समय व्यतीत कर धर्म की गहराईयों से दूर हो रहे हैं, ऐसे भीषण काल में आपने अपने अलौकिक प्रवचनों से, अपने विराट अध्यात्म दर्शन से, उगते यौवन के युवाओं को अध्यात्म की ओर अग्रसर किया, वहीं उनकी सुप्त मानवीय चेत ना को पुनर्जाग्रत कर उन्हें जीवन मूल्यों और अहिंसा पर आधारित अध्यात्म चर्चा और चर्या में साम्य स्थापित कर, एक ऐसे मार्ग को प्रकाशित किया जहाँ से प्रकाश पाकर अनेक युवा आज सी.ए., एम.बी.ए., बी.ई., एम.टेक., आदि लौकिक डिग्री प्राप्त करने के बाद सांसारिक जीवन में लाखों-करोड़ों का पैकेज छोड़ दिगम्बर हो गए।

आपकी सत्य-साधना, आगमानुसार आचरण, नवीन दृष्टिकोण, वात्सल्यमयी आध्यात्मिक अभिरुचियों ने उन्हें जन-जन का संत बनाकर सोशल मीडिया पर सर्वाधिक सर्च किये जाने वाले व सर्वाधिक शांतपूर्ण वातावरण में सुने जाने वाला संत बना दिया है। ऐसे महान् आचार्य विशुद्धसागर जी महाराज आज युवाओं के हृदय सम्राट हैं। 18 दिसम्बर 1971 को जन्में राजेन्द्र कुमार जैन, जो मात्र सत्रहवर्ष में ही संसार-मार्ग से विमुख होकर विराग-पथिक हो गए। विगत 35 वर्ष से दिगम्बर-पथ पर चलकर उन्होंने अपने गृहस्थ जीवन के पिता रामनारायण जी व श्रीमती रत्ती बाई के नाम को जन-जन तक पहुंचाया, उनके माता-पिता ने दीक्षा लेकर समाधि मरण किया। 31 मार्च 2007 महावीर जन्म कल्याणक अवसर पर उन्हें गुरु विराग सागर जी ने आचार्य पद प्रदान किया। तब से आपकी अमृतवाणी व तलस्पर्शी आध्यात्मिक ऊर्जा ने अनेक युवाओं को दिगम्बर-पथ का पाथेय बनाया है।

ज्ञानियो, मुमुक्षु की मार्मिक गूंज

आगमतीर पर प्रवचन में कभी तेज, तो कभी मधुर, कभी वीरस, तो कभी करुण रस हमें आनंदित करता है, लेकिन जब श्रमणाचार्य प्रवचन करते हैं तो उनका सम्बोधन ज्ञानियो ! मुमुक्षु ! सबको सहज-आकर्षित करता है। उनकी सहज-मुस्कान अनेक टूटती आस्थाओं को जोड़ने का कार्य करते हुए उनके प्रवचनों को प्रघंच से मुक्त करती है। वहीं उनका साहित्य जिसमें उन्होंने अपने प्रवचनों को देशना कहा है, अनेक कृतियों ने जन्म लेकर आचार्य कुन्दकुन्द के समयसार, नियमसार, प्रवचनसार आदि ग्रंथों को सरल, सहज, समन्वयकारी भाषा में उपलब्ध कराया है। समयदेशना, स्वरूप संबोधन, योगसार अध्यात्म देशना, सदेशना, पुरुषार्थ देशना, प्रकृष्ट देशना, श्रमणधर्म देशना, तत्वदेशना, सर्वोदयी देशना, सत्यार्थ बोध आदि अनेक कृतियाँ हैं। जैन मंदिरों में सुनी हो चुकी स्वाध्याय गद्दी पर संपूर्ण देश में आज इन्हीं देशना ग्रंथों का स्वाध्याय हो रहा है। जो स्वाध्याय की परंपरा को पुनर्जीवित कर आध्यात्म उन्नत कर रहे हैं।

एक लाख किमी का पदविहार, 155 पंचकल्याणक

शताधिक, साहित्य कृतियों के साथ अनेकों चेतन कृतियों गढ़ने वाले श्रमणाचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज ने अभी तक एक लाख किलोमीटर से अधिक पद विहार किया है, लगभग 155 से अधिक पंच कल्याणक प्रतिष्ठायें आपके सान्निध्य में संपन्न होकर सम्यक्दर्शन का कारण बनकर अनेक जीवों का उपकार कर रही है।

आचार्य विशुद्ध सागरजी महाराज अपने गुरु गणाचार्य श्री विरागसागर जी महाराज के आदेश से पट्टाचार्य पद आगामी 30 अप्रैल 2025 को सुविख्यात स्थल सुमति धाम, गोधा स्टेट इन्दौर में ग्रहण करेंगे, जो एक महान ऐतिहासिक अवसर होगा, जिसका साक्षी बनने के लिए सारा देश इन्दौर आने को बेताब है। सुमति धाम एवं पट्टाचार्य महामहोत्सव के पुण्यार्जक, ऊर्जावान, अत्याधुनिक तकनीक का प्रयोग कर जैन दर्शन के प्रति अभूतपूर्व श्रद्धा रखने वाले युवा दम्पत्ति श्रीमती सपना-मनीष गोधा की अगुआई में इन्दौर जैन समाज इस महान अवसर का साक्षी बनेगा। महयोगी, अध्यात्मयोगी, शताब्दी देशनाकार, आत्मान्वेषी, प्रत्यगु-आत्मदर्शी, युवाओं के प्रेरणा पुंज, अलौकिक व्यक्तित्व एवं विराट कृतित्व के धनी, वैज्ञानिक दृष्टिकोणधारी, उदार मनः, नीति-निपुण, परोपकारी, आध्यात्मिक गुरु, महाप्रज्ञावंत, वीतराग वैज्ञानिक, वात्सल्यमयी सत्यमार्ग के पथिक चर्चा व चर्या में साम्य रखने वाले, वीतरागी श्रमण संस्कृति के आध्यात्मिक सदगुरु दिगम्बराचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महामुनिराज के चरणों में शत-शत नमोऽस्तु करते हुए हार्दिक अनुमोदना के साथ कामना है कि आपके पट्टाचार्यत्व में दिगम्बर धर्म की ध्वजा दिग्-दिगान्तर उन्नति कर नमोऽस्तु शासन को जयवंत करें।

इन्हीं भावनाओं के साथ सदैव आशीर्वाद का आकांक्षी...

विशुद्धसागरजी की एक पहचान जैन धर्म है महान

मुझे लिखते हुए प्रसन्नता है कि श्रमणाचार्य विशुद्धसागरजी महाराज एक ऐसे समर्थ आचार्य हैं जो विशाल युवा संघ के नायक हैं। 30 अप्रैल 2025 को वे अपने गुरु गणाचार्य 108 श्री विरागसागरजी महाराज के आदेश से पट्टाचार्य बनकर जैन धर्म के महान प्रभावक संत बनेंगे। वर्तमान में यह उल्लेखनीय तथ्य है कि जब आचार्य विशुद्धसागरजी की देशना होती है, उस समय पर जैन धर्म का संतवाद-पंथवाद-ग्रंथवाद समाप्त हो जाता है। उनके प्रवचन का रसास्वादन करने प्रत्येक जैन चाहे वह अपनी व्यक्तिगत मान्यता से तेरापंथी, बीसपंथी, कहानपंथी, मुमुक्षु, तारणपंथी हो वे सभी उन्हें सुनते हैं व जैनत्व पर गौरव करते हैं। यह सब इसलिए होता है कि जैन धर्म एक महान मोक्षपथ है और मोक्ष का अभिलाषी जीव विशुद्धसागरजी महाराज की वाणी को सुनकर अपने आपको धन्य महसूस करता है।

21वीं सदी गुरु विशुद्ध के नाम

मध्य प्रदेश के भिण्ड जिले के छोटे से गांव रूर में 18 दिसंबर 1971 को जन्मे राजेन्द्र लाला, जिन्हें अब आचार्य विशुद्ध सागर जी के नाम से जाना जाता है, ने 17 वर्ष की आयु में आचार्य विराग सागर जी के संघ में शामिल होकर अपने जीवन को समर्पित कर दिया था। उन्होंने 1989 में दीक्षा ली और 1991 में दिगम्बर मुनि दीक्षा ग्रहण की। 31 मार्च 2007 को आचार्य श्री विराग सागर जी ने उन्हें आचार्य के रूप में प्रतिष्ठित किया।

आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज ने अपने गुरु के आशीर्वाद और मार्गदर्शन में अपने कर्तव्यों का पालन किया और आज वे जैन धर्म के महान आचार्य माने जाते हैं। उनके योगदान को न केवल भारत में, बल्कि विदेशों में भी सराहा गया है। उन्हें गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, और यू.एस.ए. बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है।

श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के प्रमुख विचार

- जो है सो है।
- सबके दिन एक से नही होते, सबदिन एक से नहीं होते।
- शिक्षा की ललक व्यक्ति को गुणी बना देती है।
- भेदभाव मिटाओ, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ।
- भोग त्याग कर योग स्वीकार करना श्रेयस्कर है।
- अनुचित भाषा करोड़ों जीवों के प्राण ले लेती है।
- जलने से पहले जलना छोड़ दो।
- अपने शत्रु का भी नाश मत सोचो।
- एकता में जो आनंद है, वह परस्पर विरोध में नहीं है।
- साधना से ही प्रसिद्धि, सिद्धि और आत्म शुद्धि होती है।
- धनवान शोषण बंद करें, गरीब पुण्य-पापोदय पर विचार करें।
- विचार के अनुसार क्रिया भी अनिवार्य है।

धार्मिक तपस्या, अनुशासन और आत्मसाधना का जीवंत उदाहरण है जैन मुनि की दिनचर्या

भारत की आध्यात्मिक परंपरा में जैन धर्म अपनी कठोर तपस्या, गहन अनुशासन और गहरी आत्मसाधना के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। जैन मुनि, जो इस धर्म के श्रेष्ठ साधक होते हैं, उनकी दिनचर्या इस बात का जीवंत उदाहरण है कि किस प्रकार संयम, त्याग और ध्यान से मानव जीवन को आध्यात्मिक ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। उनके जीवन का प्रत्येक क्षण आत्मोन्नति की दिशा में एक कदम होता है। आज के भौतिकतावादी युग में, जहां जीवन भागदौड़ और वासनाओं से भरा हुआ है, वहां जैन मुनियों की जीवनशैली हमें यह सिखाती है कि सच्चा सुख बाहरी साधनों में नहीं, बल्कि आंतरिक शांति और आत्मनियंत्रण में है। उनकी दिनचर्या केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन को सरल, शांत और सार्थक बनाने की एक अमूल्य प्रेरणा है।

प्रातःकाल की पवित्र शुरुआत

जैन मुनियों का दिन ब्रह्ममुहूर्त (लगभग सुबह 4 बजे) में आरंभ होता है। वे सबसे पहले अपनी आत्मा को परमात्मा से जोड़ने हेतु ध्यान और प्रार्थना में लीन होते हैं। 'नमोकार मंत्र' का उच्चारण करते हुए वे अपने भीतर की ऊर्जा को जाग्रत करते हैं। यह मंत्र उन्हें अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जैसे मूल सिद्धांतों की याद दिलाता है।

ध्यान और स्वाध्याय की साधना

जैन मुनि ध्यान और स्वाध्याय को अपने जीवन का मूल अंग मानते हैं। वे घंटों तक मौन रहकर आत्मनिरीक्षण करते हैं, जिससे उनके भीतर आत्मशुद्धि की प्रक्रिया सुदृढ़ होती है। वे आगम ग्रंथों का स्वाध्याय करते हैं और आत्मज्ञान की ओर अग्रसर होते हैं। यह अध्ययन न केवल ज्ञानवर्धक होता है, बल्कि जीवन के गूढ़ रहस्यों को भी उद्घाटित करता है।

विहार यानी शुद्ध आचरण की यात्रा

जैन मुनि दिन में कुछ समय 'विहार' करते हैं, यानी एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर पैदल चलते हैं। वे नंगे पांव चलते हैं और कोई वाहन या सुविधा नहीं अपनाते। यह न केवल आत्मसंयम का प्रतीक है, बल्कि पर्यावरण के प्रति सम्मान का भाव भी दर्शाता है। वे चलते समय भूमि पर दृष्टि रखते हैं ताकि किसी छोटे जीव का भी अनजाने में वध न हो जाए, यह अहिंसा का सर्वोच्च पालन है।

आहार में सीमित संसाधनों में संतोष

मुनि स्वयं भोजन नहीं बनाते। वे सीमित समय में सीमित मात्रा में भिक्षा स्वरूप भोजन ग्रहण करते हैं, जिसे 'गोचरी' कहा जाता है। वे केवल शुद्ध शाकाहारी और निर्दोष भोजन ही स्वीकार करते हैं, वह भी बिना स्वाद के – मात्र शरीर को जीवित रखने भर के लिए। भोजन के बाद वे जल तक ग्रहण नहीं करते, यह उनकी तपस्या और आत्मसंयम का प्रतीक है।

मौन, समता और क्षमा का जीवन

जैन मुनि अधिकतर समय मौन रहते हैं। उनका मौन केवल वाणी का नहीं, विचारों का भी होता है। वे किसी भी प्रकार की आसक्ति, द्वेष या वाद-विवाद से दूर रहते हैं। 'क्षमापना' उनकी दिनचर्या का अभिन्न अंग होती है, जिसमें वे दूसरों से भी क्षमा मांगते हैं और सभी को क्षमा कर देते हैं।

रात्रि विश्राम, आत्मा की साधना का विराम नहीं

जैन मुनि रात्रि में पृथ्वी पर एक चटाई या कपड़े पर विश्राम करते हैं, बिना किसी बिस्तर या सुविधा के। वे गहरी नींद में नहीं, बल्कि ध्यान की स्थिति में विश्राम करते हैं, ताकि आत्मा सतत जागरूक बनी रहे।

महाकुंभ पट्टाचार्य महोत्सव, इंदौर में पधारे समस्त दिगम्बर जैन संतों के चरणों में शत् शत् वंदन

'लला' से पट्टाचार्य की प्रेरक यात्रा : आचार्य विशुद्ध सागरजी महाराज सा.

पटटाचार्य पद पर सुशोभन प्रसंग - 30 अप्रैल- इंदौर

ऋषभ जैन, शाहगढ

. भारत भूमि सृष्टि की शुरूआत से ही विश्वविश्रुत धर्म, आध्यात्म, दर्शन और योग की ज्ञान परम्परा और संस्कृति से पुष्पित- पल्लवित रही है। इस धरा ने एक मायने में सम्पूर्ण विश्व को संस्कारित- दीक्षित किया और आज भी कर रही है। वेदिक ऋषि- मुनियों से लेकर जैन साधक इस अनुकरणीय परम्परा में अपना अहर्निश योगदान देते रहे हैं। जैन साधकों की चर्या और क्रियाएँ जन-सामान्य के लिए प्रेरणा- पुंज हैं। ऐसे ही साधक हैं, आध्यात्म के पुरोधा, आध्यात्म योगी दिगम्बर जैनाचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर महाराज। इनके गुरू आचार्य 108 विराग सागर महाराज ने जब अनुमान प्रमाण से जान लिया कि आने वाले दूसरे दिन वे इस संसार को विदा करने वाले हैं, तब 3 जुलाई 2024 को वीडियो संदेश द्वारा अपना पट्टाचार्य (गणाचार्य) का पद सु-योग्य शिष्य विशुद्ध सागर महाराज को देने की घोषणा कर दी। अपने गुरू का अचानक जाना और गणाचार्य जैसे बहुप्रतिष्ठित पद के दायित्व का मिलनस आम बात नहीं है, परन्तु आचार्य विशुद्ध सागर महाराज अपने गुरू के बिछुड़ जाने से गमगीन थे। अन्य वरिष्ठ दिगम्बराचार्यों द्वारा समझाने पर अंततः विशुद्ध सागर महाराज इस दायित्व को संभालने के लिए राजी हुए। इंदौर के संभ्रान्त और धर्मानुरागी मनीष गोधा परिवार ने अपने बलबूते पर इंदौर के सुमति धाम में ऐतिहासिक जैन महाकुंभ का आयोजन के लिए आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज को पट्टाचार्य पद से अंलकृत कराने की मंशा जाहिर की। जैन धर्म के ढाई हजार वर्ष के इतिहास में यह पहला मौका है कि 388 साधकों की उपस्थिति में आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज पट्टाचार्य पद पर अलंकृत होंगे।

भारतीय वसुन्धरा पर अनादि सनातन श्रमण-संस्कृति, जैन धर्म में दिगम्बर आचार्य, उपाध्याय एवं वीतरागी दिगम्बरी यथाजात, पगविहारी, करपात्री मुनियों का स्तुत्य एवं महत्वपूर्ण योगदान है। क्षमाशीलता, अहिंसा-प्रियता, शाकाहार, निष्पृहता, सत्याचरण, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रहता आत्मोकर्ष ही उनका लक्ष्य रहता है। इन तमाम खूबियों के साथ दिगम्बर संत विशुद्ध सागर महाराज पिछले 36 साल से धर्म प्रभावना कर रहे हैं। अ ा प स े प्रेरणा लेकर अब तक 56 गृहस्थ मुनि- दीक्षा,06 छुल्लक दीक्षा लेकर संयम मार्ग को प्रशस्त कर रहे हैं। आचार्य श्री के संघ की विशेषता है कि उनसे दीक्षित युवा मुनि लौकिक शिक्षा यथा इंजीनियर, चार्टर्ड एकाउटेंटस और अन्य विषयों में उच्च शिक्षा प्राप्त हैं। कुछ मुनियों ने लाखों रूपयों का पैकेज छोड़कर आत्म साधना मार्ग को चुना है। आचार्य की प्रेरणा से हजारों धर्मावलम्बी व्रतादि ग्रहण कर अपना जीवन सार्थक कर रहे हैं।

आचार्य विराग सागर बने विशुद्ध सागर के दीक्षा प्रदाता

मध्यप्रदेश के चम्बल संभाग के भिण्ड जिले के रूर गाँव में 19 दिसम्बर 1971 को सभ्रान्त परिवार के श्री राजनारायण के यहाँ योग्य संतान का जन्म हुआ। नाम रखा राजेन्द्र% पर इन्हें स्नेह से लला% नाम से पुकारा जाता था। लला% ने बाल्यकाल में मात्र 10 वष्र की अल्पायु में जैनत्व के मूल नियमों का पालन करना शुरू कर दिया था। फिर सत्रह बसंत देखते-देखते वैराग्य जाग्रत हुआ तदसमय मुनि श्री विराग सागर महाराज के भिण्ड प्रवास में उनकी देशना से प्रभावित होकर 11 अक्टूबर 1989 को भिण्ड में छुल्लक दीक्षा अंगीकार की । इसके बाद 19 जून 1991 को ऐलक दीक्षा, और 5 महीने ही बीत पाए थे कि आचार्य श्री विराग सागर महाराज से ही पन्ना जिले के जैनतीर्थ श्रेयांसगिरि में 21 नवम्बर 1991 को दिगम्बर मुनि की दीक्षा ली । अब नाम रखा गया विशुद्ध सागर%। गुरू विराग सागर महाराज ने आपकी लगन और धर्म प्रभावना को देखते हुए आपको औरांगाबाद (महाराष्ट्र) में 31 मार्च 2007 महावीर जयंती के पावन दिन आपको आचार्य पद से विभूषित किया ।

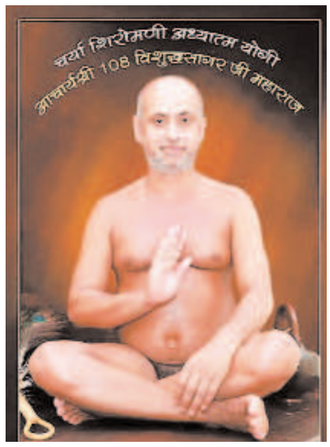

आध्यात्म और साधना की महिमा के कुछ प्रसंग

विशुद्ध सागर महाराज की जिनदीक्षा से लेकर अब तक अनगिनत अदभुत, चमत्कारिक घटनाएँ घट चुकी हैं। वर्ष 1999 में उत्तरप्रदेश के झाँसी से सटे जैनतीर्थ करगुवाँ में देव वंदना के दौरान एकाएक एक सर्प ने आपके पैर के अंगुष्ठ को मुख से दबा लिया। महाराज ने सोचा कोई चूहा बगैरह होगा, चला जाए। पुनः देखने पर पाया कि वह तो काला सर्प है1

महाराज ने सर्प को सम्बोधित किया भो-ज्ञानी मंदिर में जाओ, जिनेन्द प्रभु के दर्शन करो और मुझे भी सामायिक करने दो, अगर पिछले जन्म का कुछ कुछ कर्ज हो तो चुका लो इतना कहना था कि सर्प अंगुष्ठ छोड़ चटाई के नीचे जाकर बैठ गया।

वर्ष 2000 के सागर चातुर्मास में पिड़रूआ निवासी वयोवृद्ध कवि ज्ञानचन्द्र की पुत्र-बधू की पीठ पर सफेद दाग हो गया । ज्ञानचन्द्र जी महाराज के चरणों का गन्धोदक प्रतिदिन घर ले जाते और पुत्र वधू उसे रोग के स्थान पर लगा लेती। पन्द्रह दिन ही बीते थे कि रोग दूर हो गया। जब यह बात महाराज को बताई गई तो महाराज ने कहा कि मैंने कोई मंत्र नहीं दिया, यह तुम्हारी भक्ति और दिगम्बर मुनि के प्रति श्रृद्धा का प्रतिफल है। एक अन्य प्रसंग में आचार्य श्री ने विदिशा के आसपास संघ सहित सुबह विहार के निकलते ही संघ को चेताया कि आज कुछ अनहोनी घटना घट सकती है। संघ का विहार कुछ ही दूरी पर आगे चला था। विदिशा के अशोक जैन आचार्य श्री के साथ चलने लगे। आचार्य श्री एक स्थान पर रूककर शौच-क्रिया के लिए खेत की ओर चल दिए । पाँच मिनिट बाद अशोक जैन को घबराहट हुए और वहीं गिर गये। साथ में चल रहे अन्य मुनि यह समझ गए कि इनकी आयु कुछ पल की ही बची है। उन्हें णमोकार मंत्र सुनाया। आचार्य श्री वापस आए तब तक अशोक के प्राण पखेरू उड़ चुके थे। साथ चल रहे लोगों का कहना था कि गुरूवर निमित्त ज्ञानी है तभी उनको आभास हो गया था कि अनहोनी होने वाली है। एक प्रसंग भोपाल का भी है, जिसमें वर्ष 2010 में आचार्य श्री संघ सहित साकेत नगर स्थित जैन मंदिर दर्शन के लिए पहुँचे। मंदिर से बाहर आए तो कुछ शरारती तत्वों ने गाली देते हुए अभद्र व्यवहार प्रारंभ कर दिया । इनमें से एक व्यक्ति जो उपद्रवियों का मुखिया जान पड़ता था, पत्थर लेकर मारने के भाव से महाराज के सामने खड़ा हो गया । आचार्य ने आक्रोशित व्यक्ति के मुख की ओर करूणा दृष्टि से देखा और हाथ उठाकर आशीर्वाद दिया। तभी इस व्यक्ति के मन के पिघलने में वक्तो नहीं लगा और हाथ जोड़कर खड़ा हो गया। पता ही नहीं चला कि उसके हाथ का पत्थर नीचे कब गिर गया ? महाराज के साथ चल रहे श्रावकों ने कहा कि पुलिस को रिपोर्ट कर अपराधी को सजा दिलाना चाहिए परन्तु महाराज ने मना कर दिया। स्थानीय पुलिस को जैसे भी पता चला पुलिस अधिकारी ने महाराज के पास जाकर बिनती की कि उपद्रवी लोगों को क्या दण्ड दिया जाए ? आचार्य महाराज ने

कहा कि % भैया उन्हें दण्ड देने की बात क्यों करते हो वे भी भटकते भगवान हैं%। इस तरह की सैकड़ों घटनाएँ घटित हुई हैं।

इकलौते आचार्य जिन्होंने अब तक 1 लाख कि.मी. से ज्यादा किया पग विहार

आचार्य श्री इकलौते ऐसे दिगम्बरराचार्य हैं जिन्होंने अब तक देश के 12 राज्यों में 1 लाख 2 हजार 800 किलोमीटर पग विहार कर धार्मिक- आध्यात्मिक चेतना का प्रसार कर लोक मंगल और प्राणी मात्र के कल्याण को गति दी है। आपने वर्ष 2024 में ही नवम्बर माह में नांदणी का चातुर्मास पश्चात श्रमण बेलगोला, मुम्बई,कचनेर और जालना से होते हुए इंदौर तक 2800 किलोमीटर का सतत विहार करते हुए 07 पंच कल्याणक और लघुपंच कल्याणक कराए हैं। आचार्य श्री के सान्निध में अब तक 154 पंचकल्याणक कराकर भगवानों की प्रतिष्ठा हो चुकी हैं। साथ ही 1990 से 2024 तक विभिन्न स्थानों पर 35 चातुर्मास पूर्ण कर चुके हैं। सर्वाधिक पंच कल्याणक प्रतिष्ठा के लिए आपका नाम यू.एस.ए. बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड दर्ज हो चुका है।

सर्वाधिक साहित्य सृजन

साहित्य तत्व-ज्ञान को प्रदान करता है। साहित्य से तत्व विद्या सुरक्षित रहा करती है। साहित्य हमारी धरोहर है। साहित्य से हमारे संस्कार सुरक्षित हुआ करते हैं। आचार्य श्री

विशुद्ध सागर जी, जो हिन्दी के साथ-साथ प्राकृत, संस्कृत, मराठी, कन्नड़, अंग्रेजी- गुजराती आदि भाषाओं में पारंगत हैं, ने विपुल मात्रा में साहित्य सृजित किया है।

लौकिक शिक्षा भले ही दसवीं कक्षा तक ही हुई हो इतनी अल्प शिक्षा के बाद भी नीतिशास्त्र का अलौकिक ग्रन्थ सत्यार्थ बोध सृजित कर विश्व कीर्तिमान बनाया है। इस ग्रन्थ के सृजन पर ब्रिटिश नेशनल यूनिवर्सिटी क्वीन मेरी यूनाइटेड किंगडम और यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका द्वारा आपको डी.लिट उपाधि से सम्मानित किया गया है। वस्तुतः सत्यार्थ बोध आध्यात्म योगी विशुद्ध सागर के अंतरंग मन के चित्त के चिंतन,मंथन, चैतन्य के तत्व ज्ञान से उदभूत मौलिक कृति है। यह पाश्चात्य संस्कृति से अंशात पथ भ्रमित मानव को स्वात्म संस्कृति के प्रति चैतन्य कर सुप्त मानवीय आदर्शों को जाग्रत करता है।

उत्कृष्ट प्रवचनकार

आचार्य श्री हिन्दी के साथ प्राकृत,संस्कृत और अप्रभंश का गहरे स्तर का ज्ञान रखने वाले उत्कृष्ट चिंतक, सर्जक के साथ ही सम्प्रेषणीय प्रवचनकार भी है। प्रवचन देना दैनिक दिनचर्या का अंग है । प्रतिदिन संघस्थ साधुओं की तीन कक्षाएँ बिला नागा लेते हैं। जन-सामान्य आश्चर्य करते हैं कि आप इतने व्यस्त रहकर और लगातार पग विहार कर ग्रन्थों का सृजन कब करते हैं ?

सर्वाधिक समय मौन साधना

आपने जीवन पर्यन्त वस्त्र त्याग कर निर्ग्रन्थ अवस्था स्वीकार की है। जीवन पर्यन्त वाहन से विचरण न करने का नियम लिया है। जीवन पर्यन्त नमक, तेल, दही एवं मीठा आदि सेवन का त्याग किया है। रात्रि में पूर्ण मौन रहते हैं। अष्टमी, चतुर्दशी, अष्टानिका और पर्यूषण पर्व में मौन साधना करते हैं। आहार में मात्र दो अन्न ग्रहण करते हैं, जिसमें भी चावल सेवन का पूर्ण त्याग है

विशिष्ट पड़ाव है सुमति धाम में गणाचार्य पद पर सुशोभन

आचार्य श्री की अब तक की कीर्ति कलश यात्रा का नया और विशिष्ट पड़ाव है 30 अप्रैल 2025 को सुबह इंदौर स्थित सुमति धाम में गणाचार्य (पटटाचार्य) पद पर सुशोभन। इस सारस्वत संस्कार के साक्षी होंगे 388 जैन साधक, धर्मावलम्बी, श्रृद्धालु और समाज जन। इस शुभ प्रसंग पर 27 अप्रैल से ही कार्यक्रम शुरू हो चुके हैं और 2 मई तक चलेंगे। पहले दिन सुबह जन सैलाब की मौजूदगी में शोभा यात्रा निकली आचार्य श्री सहित सभी साधकों की भव्य अगवानी हुई सुमति धाम में। प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने जैन साधकों की अगवानी की और पूरी शोभा-यात्रा में चल रहे जन सैलाव का कुशल संचालन किया ।

सुमतिधाम में आयोजित पट्टाचार्य महोत्सव में पधारे आचार्यश्री एवं समस्त महाराज सा. का सादर वंदन अभिनंदन

इन्दौर, राष्ट्रीय जनभावना। इंदौर के गांधी नगर स्थित श्री सुमतिनाथ दिगंबर जिनालय में परम पूज्य राष्ट्रसंत गणाचार्य श्री विरागसागर जी महाराज के परम प्रिय शिष्य, अध्यात्म योगी, चर्या शिरोमणि आचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज के पट्टाचार्य पद प्रतिष्ठा संस्कार महा महोत्सव में सहभागी बनने का पुण्य सौभाग्य प्राप्त हुआ। महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर भव्य शोभायात्रा में सम्मिलित होकर संतश्री की अगवानी का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ। साथ ही कार्यक्रम में मंच पर विराजित मुनि श्रेष्ठों के चरणों में नमन कर उनका पावन आशीर्वाद ग्रहण किया। आयोजन ने अंतर्मन को अद्वितीय आध्यात्मिक शांति एवं ऊर्जा से अभिभूत कर दिया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं संपादक सुनील वर्मा के लिए 1/4, परदेशीपुरा इन्दौर से प्रकाशित एवं दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेस एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश इन्दौर से मुद्रित.
कार्पोरेट कार्यालय : 301, अरु प्लाजा एमजी रोड इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com